महाराजा सीमेन्ट 53 ग्रेड उपयोग में लेने के लिए 7 ठोस कारण

- ज्यादा शक्तिशाली
- हर तरह के निर्माण के लिए
- पानी का कम मात्रा
- जंग प्रतिरोधी
- जलयोजन की निम्न ऊष्मा
- अति सूक्ष्मता
- सल्फेट प्रतिरोधी

निम्न कार्यों के लिए अति उत्तम :

- हर तरह के आर.सी.सी का कार्य के लिये
- प्लास्टर एवं चुनाई
- जमीन के अन्दर के निर्माण गट्टर/पाईपलाईन का निर्माण
- सीमेन्ट सड़क
- भारी मशीनरी फाउंडेशन
- बीम/कॉलम

महाराजा सीमेन्ट 53 ग्रेड

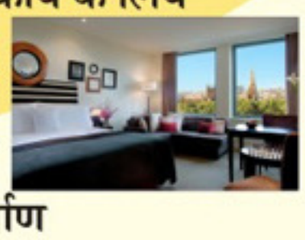

महाराजा अल्ट्राबिल्ड् प्रा. लि.

रिको इण्डस्ट्रीयल एरिया, फालना-पाली (राज.)

सम्पर्क : 9799625111

E-mail : maharajacement@gmail.com

महाराजा सीमेन्ट 53 ग्रेड

महाराजा का वादा... मजबूती सबसे ज्यादा...

MAHARAJA CEMENT 53 GRADE

महाराजा सीमेन्ट 53 ग्रेड इस्तेमाल करने से इमारत का टिकाऊपन कैसे बढ़ता हैं।

- तापमान मे बदलाव।
- एल्कली ऐग्रीगेट (गिट्टी) प्रतिक्रिया।
- सल्फेट का असर।
- लोहे पर जंग लगना।

मजबूती के अलावा महाराजा सीमेन्ट के और भी कई फायदें है। जैसे कि :-

हाईड्रेशन के दौरान कम गर्मी उत्पन्न होती है, जो दरारों को रोकती है। चूने की लीचिंग नही होने की वजह से कंकरीट में छिद्र नहीं रहते। सरिया को जंग नही लगता। जल या मिट्टी में सल्फेट, क्षार या एल्कली होते है, उनका असर कंकरीट पर नही होता। कंकरीट की वर्केबिलिटी हमें अच्छी मिलती है। पानी की मात्रा कम लगती है और घना, अप्रवेश्य कंकरीट प्राप्त होता है। महाराजा सीमेन्ट का स्टैंडर्ड डेविएशन न्यूनतम है यानि सीमेन्ट की क्वालिटी का स्तर हर बैच में एक सा रहता हैं इस प्रकार महाराजा सीमेन्ट इस्तेमाल करने से इमारत की मतजबूती व टिकाऊपन अधिक बढ़ता है। सामान्य पोर्टलैण्ड में सिर्फ प्राथमिक C-S-H जेल होता है, परन्तु ब्लेडेड सीमेन्ट में प्राथमिक व सैकेण्डरी C-S-H जेल होने से मजबूती व टिकाऊपन दिन प्रतिदिन बढ़ता ही रहता हैं।

क्या शटरिंग हटाने का समय सर्दी व गर्मी में बराबर होता है।

नहीं, शटरिंग हटाने का समय कंकरीट की परिपक्वता (मेच्यूरिटी) पर निर्भर होता है। कंकरीट परिपक्वता सीमेन्ट का प्रकार, वातावरण का तापमान, पानी की मात्रा, रेती/गिट्टी में होने वाली क्षार की मात्रा आदि वस्तुओं पर निर्भर करती है। शटरिंग को परिपक्व तब तक नही माना जाता तब तक नहीं माना जाता जब तक वह सामान्य रूप से पड़ने वाले बोझ से दुगना बोझ झेलने लायक न हो जाए। हमारा सुझाव है कि शटरिंग खोलने से पहले कंकरीट क्यूब टेस्ट कर के उसकी स्ट्रेंथ का पता अवश्य कर लें।

MAHARAJA CEMENT 53 GRADE

आम तौर पर शटरिंग नीचे दिया गया समय बीत जाने के बाद हटाई जाती हैं।*

	गर्मी का मौसम	सर्दी या तापमान <18 से.
1) स्ट्रकचरल मेम्बर्स की दीवारें, कॉलम और खड़े (वार्टिकल फेस)	24 घंटे	48 घंटे
2) 4.5 मीटर तक के स्पॉन वाले RCC स्लैब के टेक (बल्ली) हटाना	7 दिन	14 दिन
3) 6 मीटर तक स्पॉन वाले बीम और मेहराव (आर्च) के नीचे से टेक हटाना	14 दिन	28 दिन
4) 3.5 मीटर तक के स्पॉन वाले आर.बी. सी. छत के टेक हटाना	14 दिन	28 दिन

*उच्चतम दर्जे की वस्तु सामग्री को इस्तेमाल करने और बेहतर कारीगरी से ही संभव हैं।

सही अनुपात

	कार्य प्रमाण		
	सीमेन्ट	रेत	गिट्टी
चिनाई (9")	1	6	-
प्लास्तर	1	4	-
आर.सी.सी. लिंटल, कॉलम, फूटिंग बीम छत इत्यादि	1	1.5	3
सीमेन्ट कंकरीट का फर्श	1	2	4
सीमेन्ट कंकरीट का कुआँ	1	1.5	3

- मसाला हमेशा पक्के फर्श पर या लोहे की प्लेट पर ही बनाएँ।
- सूखे मसाले में पानी मिलाने के बाद दोबारा उसे अच्छी तरह से मिलना चाहिएँ।

MAHARAJA CEMENT 53 GRADE

चिनाई

	पत्थर की चिनाई	ईंट की चिनाई
1. क्वालिटी	पक्का पत्थर	फर्स्ट क्लास ईंट
2. मसाला	1 तसला सिमेन्ट और 6 तसला रेत	1 तसला सीमेन्ट और 6 तसला रेत
3. जॉईंट की मोटाई	25 मि. मि. से कम	12 मि. मि. से कम
4. ऊँचाई प्रतिदिन	600 मि.मि. (दो फुट)	1 मीटर (3.3 फुट)
5. तराई	7 से 10 दिन	7 से 10 दिन

- पत्थर की चिनाई में हेडर, बॉन्ड स्टोन हर वर्ग फीट में 1 बिठाना चाहिए।
- चिनाई में ईंट को काम में लेने से पहले उसको पानी में पूरी तरह भिगोना चाहिए।

कंकरीट

- अधिक मात्रा में पानी कंकरीट की मजबूती घटाता है इसलिए एक बोरी में 27 लीटर पानी का इस्तेमाल करें।
- कंकरीट को कम से कम 2 मिनट तक मैकेनिकल मिक्सर में मिलाए।
- हाथ पलटी कंकरीट के लिए 10% ज्यादा सीमेंट का उपयोग करें।
- वायब्रेटर का समय-समय पर सही इस्तेमाल करें।
- कंकरीट इस तरह ले जाए की वह बिखरे नहीं और कार्यक्षमता बनी रहें।
- कंकरीट की तराई कम से कम 10 दिन तक करें।

प्लास्टर

- चिनाई खत्म होने के 28 दिन बाद ही प्लास्टर करें।
- प्लास्टर करने से पहले कंकरीट सतह को टाँचा लगाना चाहिए ताकि प्लास्टर की दीवार/छत के साथ पकड़ मजबूत रहें।
- रेत छान के इस्तेमाल करनी चाहिए।
- प्लास्टर करने से पहले सतह को पतले सीमेंट के घोल से गीला कर लेना चाहिए।
- सूखे मसाले में पानी उतना ही मिलाए जितना की आधे घण्टे में इस्तेमाल हो जाए।
- सतह के ऊपर ठिया लगाकर प्लास्टर की मोटाई मालूम करें। (12 मि. मि.) तक प्लास्टर एक कोट में करें। अगर उससे ज्यादा मोटाई हो तो 2 या 3 कोट में करें।
- प्लास्टर की तराई कम से कम दस दिन तक करें।